Tara
बुजुर्गों के लिए...

*महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक विनम्र लघु प्रयास, गौरी योजना*
*(कोलकाता में विधवा महिलाओं हेतु निःशुल्क तारा सिलाई सेंटर 24 अप्रैल, 2014 को प्रारंभ)*

# तारांशु

मासिक मई, 2014

मूल्य – 5 रुपये वर्ष 2, अंक 10, पृ.सं. 20 संपादक :– कल्पना गोयल

– आशीर्वाद –

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान ( ट्रस्ट ), उदयपुर

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

– आभार –

श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

## किसी को तो उसकी जरूरत है

*एक वृद्ध दम्पत्ति पुणे में रहते थे। उन्होंने अपने इकलौते लड़के को उच्च शिक्षा दिलवाई। जब लड़का विदेश जाने लगा तो उसने अपने दोस्त से कहा कि पीछे से कि मेरे माँ–बाप की खोज खबर लेते रहना।*

*चूँकि वह कॉफी पीता था, इसलिए जब कभी वह घर आता तो, बूढ़ी माँ उठकर धीरे–धीरे रसोईघर में जाती, कॉफी की शीशी लेकर आती और अपने वृद्ध पति को थमाती और वह जोर लगाकर ढक्कन को खोलता। फिर वह वृद्धा पुनः धीरे–धीरे रसोईघर में जाती और कॉफी बनाकर लड़के के दोस्त को देती। यह क्रम अनवरत चलता रहा।*

*एक बार जब उस लड़के का दोस्त उनके घर आया तो अपने साथ एक शीशी खोलने का साधन भी लेकर आया और बोला, ये लो आजी (दादी), अब आपको आजोबा (दादाजी) को शीशी खोलने के लिए तकलीफ नहीं देनी पड़ेगी और वह काफी पी कर चला गया।*

*इसके कुछ दिनों के बाद जब वह पुनः आया तो भी बुढ़िया का वही क्रम जारी था। उसने थोड़े गुस्से से कहा 'आजी ये क्या?तुम अभी भी आजोबा को शीशी का ढक्कन खोलने की तकलीफ दे रही हो?मैंने शीशी का ढक्कन खोलने वाला साधन लाकर दिया था, वह क्या हुआ?आजी बोली, कहीं पड़ा होगा, तू कॉफी पी।*

*थोड़ी देर में जब दादा जी बाथरूम गए, तो आजी बोली, बेटा तेरी लाई हुई मशीन मेरे पास सुरक्षित रखी है, पर मैं उसे वापरना नहीं चाहती। इसका बड़ा कारण है। उसने पूछा क्या कारण है?*

*बुढ़िया बोली, 'पहला कारण तो यह है कि उनको लगता है कि वह अभी भी ताकतवर है और वे ही शीशी खोल पाते हैं। यह बेचारी बूढ़ी तो मेरे बिना शीशी भी नहीं खोल पाती है, कितनी लाचार है। इससे उनके अहम् की तुष्टि होती है, और दूसरे ये कि कोई तो है जिसे उनकी अभी भी जरूरत है। उनकी कुछ तो उपयोगिता है। इससे उन्हें बड़ा संतोष मिलता है। वरना, ये देखो शीशी मैं एक झटके में खोल सकती हूँ।*

*वह सोचता रह गया, दादी की कितनी गहरी और सार्थक सोच है।*

# अनुक्रमणिका


| विषय | | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| *किसी को तो उसकी जरूरत है* | – | *02* |
| *अनुक्रमणिका* | – | *03* |
| *मेरे दिल के सबसे करीब (गौरी योजना)* | – | *04* |
| *एक बिछड़ा हुआ पिता* | – | *05* |
| *गौरी योजना* | – | *06* |
| *तृप्ति योजना* | – | *07* |
| *आनन्द वृद्धाश्रम के नये आवासी* | – | *08* |
| *नेत्र जाँच शिविर* | – | *09-13* |
| *अतिथि, तारा संस्थान में* | – | *14* |
| *तारा परिवार का सौभाग्य* | – | *15* |
| *नया सेवा प्रकल्प* | – | *16* |
| *Tara Contacts* | – | *17* |
| *We are grateful to them* | – | *18* |
| *Make Donation* | – | *19* |

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

**तारांशु मासिक, मई, 2014**

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

# मेरे दिल के सबसे करीब (गौरी योजना)

दीपिका जी की छोटी सी दुकान

''गौरी'' से लाभांवित तीन उज्ज्वल भविष्य

गौरी योजना को लेकर मुझे कई बार हमारे दान दाताओं, परिचितों के सुझाव मिलते हैं जिनमें यह भी बताया जाता है कि उन्हें स्वावलम्बी बनाया जाये या उनका पुनर्विवाह कराया जाये या फिर इतनी राशि (1000 रु. महीना) से क्या होगा आदि.... हम उन सभी सुझावों का पूर्ण सम्मान करते हैं और शायद यही कारण है कि कोलकाता में गौरी योजना को सिलाई प्रशिक्षण के साथ जोड़ा है....

लेकिन फिर भी गौरी योजना की लाभांवित महिलाओं को 1000 रु. महीना दे रहे हैं क्योंकि इस 1000 रु. के इनके लिए क्या मायने हो सकते हैं वो इस छोटे से उदाहरण से समझ सकते हैं।

दीपिका जी के पति का निधन 01.06.2010 को गया था तब ये 34 वर्ष की थी। इनके पति व उनके छोटे भाई दोनों की ही हत्या कर दी गई थी। किसी लड़ाई झगड़े में.... छोटे भाई की पत्नी तो नर्सिंग का कोर्स किया हुआ था वो अपने माता पिता के साथ चली गई और नर्स का काम करके अपनी बच्ची को पाल रही हैं...... दीपिका जी के तीन बच्चे हैं तीनों पढ़ रहे हैं। एक छोटा सा कमरा है जिसमें ये रहती हैं और वहीं पर बाहर जैसा कि फोटो में दिख रहा है हैंगर में लटका कर या ताक में रख कर ये पेन, चिप्स, टॉफी आदि बेचती हैं और इसी से गुजारा चलाती हैं। दीपिका जी को पिछले 3 वर्षों से लगातार गौरी योजना के तहत 1000 रु. महीना दे रहे हैं और उसी का परिणाम है कि आज इनका बेटा दसवीं, बड़ी बेटी नवीं व छोटी बेटी आठवीं में पढ़ रहे हैं। निश्चित ही दीपिका जी अपनी मेहनत से जो संभव है वो तो कर ही रही हैं लेकिन इस 1000 रु. जो उन्हें ''गौरी योजना'' के मिल रहे हैं उसके मायने इनके लिए बहुत हैं।

जब हमारे दानदाताओं के थोड़े से सहयोग से ये बच्चे पढ़–लिखकर योग्य हो जाएँगे तो कितनी बार उन अनजान लोगों को धन्यवाद देंगे जिन्होंने एक पिता के न होने पर इन बच्चों के सिर पर अपना हाथ रखा...

बस यही कारण है कि मैं गौरी योजना को अपने दिल के करीब पाती हूँ क्योंकि ये आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य में एक बेबस माँ को थोड़ा ही सही लेकिन मजबूत सहारा देती है....

कल्पना गोयल

शंकरलाल जी व उन्हें लेने आए उनके पुत्र व रिश्तेदार

कल्पना जी व विजय सिंह जी के साथ बात करते शंकरलाल जी

# एक बिछड़ा हुआ पिता....

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में 2 माह पहले एक बुजुर्ग आए थे जिनका नाम शंकरलाल जी था। जैसा कि अमूमन होता है आनंद वृद्धाश्रम में कोई भी बुजुर्ग रहने आते हैं तो हम उनसे यही कहते हैं कि आप यहाँ रहिये ताकि हमे भी तसल्ली हो जाए कि वे सही व्यक्ति है और वे खुद भी यहाँ की व्यवस्थाओं को अपने अनुकूल पाएँ।

शंकरलाल जी आनंद वृद्धाश्रम में रहने लगे उनके पैरों में तकलीफ थी जो शायद कमजोरी के कारण थी और कुछ उम्र के कारण भी थी। थोड़ा वक्त बीतने के बाद शंकरलाल जी की File बना दी गई अर्थात् तारा के ''आनंद वृद्धाश्रम'' में उन्हें Official प्रवेश दे दिया।

कुछ दिन पहले सुबह सुबह 5–6 लोग कल्पना जी से मिलने आए उन्होंने कहा कि हम लोग जोधपुर के पास बड़ाली गाँव से हैं और हमें पता चला है कि हमारे पिता ''तारा संस्थान'' में रहते हैं। उन्होंने अपने पिता का नाम शंकरलाल बताया। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात जो उन्होंने बताई वो ये थी की शंकरलाल जी ने 1991 से घर छोड़ दिया था। तब उनके बच्चे छोटे–छोटे थे और आज उनके बच्चों के बच्चों की भी शादी होने वाली है। शंकरलाल जी को लने आए उनके रिश्तेदारों में उनके दो लड़के घनश्याम और राजेन्द्र आए थे। घनश्याम अभी 45 वर्ष के हैं यानी जब शंकरलाल जी घर छोड़कर गए तब 21–22 साल के थे और सबसे छोटा बेटा 3–4 साल का था।

उनके बेटों से पूछा कि आपको कैसे पता लगा कि वे ''तारा'' में है, तो उन्होंने बोला कि हमारे किसी रिश्तेदार ने फोन कर बताया था। उनके बेटों की आँखों में बार–बार आँसू आ रहे थे कि वे अपने पिता से इतने सालों बाद मिलेंगे।

शंकरलाल जी को बुलाकर उनके बच्चों के सामने ही बात की लेकिन उन्हें यह नहीं बताया कि सामने उनके बच्चे बैठे हैं....

शंकरलाल जी से कल्पना जी ने पूछा कि आपको घर जाना है तो उन्होंने साफ मना कर दिया। उनका मझला बेटा राजेन्द्र जो उनके घर छोड़ने के वक्त 11–12 साल का था वो सामने बैठे पिता को देख–देखकर रो रहा था....

शंकरलाल जी को जब बताया गया कि ये आपके बेटे हैं और आपको लेने आए हैं तो भी उन्होंने जाने से मना कर दिया। उन्हें सबने समझाया कि आपके बेटे जोधपुर में आपके पैरों का इलाज करवाएंगे और आपका ध्यान रखेंगे। उन्हें यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी बात समय–समय पर बेटे कल्पना जी से करवाएँगे तभी वो बेटों के साथ जाने को तैयार हुए....

हमने थोड़ा बहुत बेटों से भी पूछा और शंकरलाल जी से भी कि उन्होंने क्यों घर छोड़ा था। दोनों ने अपने–अपने कारण बताए कौन सही था कौन गलत यह न हम जान सकते थे न ही ऐसा प्रयास किया लेकिन 23–24 साल से खोया हुआ एक पिता बच्चों को, परिवार को वापस मिल गया यही बहुत बड़ी खुशी थी और ''तारा'' इस मिलने का माध्यम बन गया....

ऐसा फिल्मों में कई बार देखा था कि बिछड़े बच्चे माता–पिता से सालों बाद मिले, लेकिन तारा के आनंद वृद्धाश्रम में यह खुशी देखने को मिली तो आप सबसे Share किये बना नही रह सका....

दीपेश मित्तल

# लाभान्वित हो रही महिलाएँ

पुष्पा लौहार की आयु – 24 वर्ष है। ये गाँव ईटाली तहसील – सराड़ा, जिला – उदयपुर की रहने वाली है। इनके पति लौहारी का कार्य करते थे। कैंसर की बीमारी से उनका निधन हो गया। पुष्पा के 2 एवम् 4 वर्ष की दो पुत्रियाँ हैं। परिवार में बुजुर्ग सास–ससुर हैं, जिनकी जिम्मेदारी भी पुष्पा लौहार पर ही है। आय का कोई स्रोत नहीं है, परिवार अत्यन्त ही कठिन परिस्थिति में है। मजदूरी भी नहीं मिलती। वृद्ध सास–ससुर और दोनों छोटी बच्चियों को अकेला छोड़ कर मेहनत–मजदूरी के लिए कहीं बाहर भी नहीं जा सकती। तारा संस्थान ने इन्हें गौरी योजना में सम्मिलित करके इन्हें 1000 रुपया प्रति माह नकद आर्थिक सहायता देना प्रारम्भ किया है।

गायत्री देवी सुथार, गाँव – नवानिया, तहसील – वल्लभनगर, जिला – उदयपुर की रहने वाली है। इनकी आयु 36 वर्ष है। गायत्री देवी के 10 वर्षीय पुत्र और 13 वर्षीया पुत्री है। इनके पति श्री पन्नालाल सुथार का सर्पदंश से असमय निधन हो गया। इनकी आजीविका का कोई सहारा नहीं है। बच्चों व स्वयं के दो समय भोजन का गुजारा भी कठिन है। बच्चों को लेकर कहीं जा भी नहीं सकती और गाँव में मजदूरी भी नहीं मिलती। तारा संस्थान को इनकी परिस्थितियों की जानकारी मिलने पर इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत 1000 रुपया प्रतिमाह सहायता देने का निर्णय किया गया है।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान–सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

*भगवान का अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। हर कोई सही दिशा में सर्वोच्च प्रयास करके देवत्व प्राप्त कर सकता है।*

*– भगवान् महावीर*

## तृप्ति योजना – खाद्य सामग्री सहायता से लाभान्वित निर्धन बुजुर्ग महिलाएँ

गाँव – बिलोदा, तहसील – डूँगला, जिला – चित्तौड़गढ़ की रहने वाली 65 वर्षीया बगदी बाई मेघवाल के पति का निधन हो चुका है। इनके रहने की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। परिवार में बेटा–बहू हैं, और मजदूरी करते हैं, पर गुजर–बसर नहीं होता। तारा संस्थान को जानकारी मिलने पर इन्हें प्रतिमाह खाद्य–सामग्री देना प्रारंभ किया गया। तारा की सहायता से इन्हें कुछ राहत मिली है।

नारायणी बाई मेघवाल पत्नी स्व. श्री तुलसीराम मेघवाल गाँव – बिलोदा, तहसील – डूँगला, जिला – चित्तौड़गढ़ की निवासी है। नारायणी बाई मेघवाल की आयु है 61 वर्ष है। इनके पति का निधन हो चुका है। एक पुत्र है, उसके भरण–पोषण का भार भी इन्हीं पर है, क्योंकि पुत्र कुछ भी काम नहीं करता है। कभी–कभार खेत मजदूरी मिल जाती है, जिससे बड़ी मुश्किल से गुजारा हो पाता है। तारा संस्थान ने इनका खाद्य–सहायता के लिए चयन किया है।

---

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/– मूल्य
की खाद्य–सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य–सामग्री सहयोग–सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

# आनन्द वृद्धाश्रम के नये आवासी

*श्री सुभाष चन्द्र मेहता तारा नेत्रालय, उदयपुर के रोगी प्रतीक्षा कक्ष में सहयोग करते हुए*

**श्री सुभाष चन्द्र मेहता, आयु 74 वर्ष।** भरतपुर निवासी श्री सुभाष चन्द्र मेहता का जीवन कष्ट और वेदनाओं से भरा हुआ है। इनके एक बहन थी। माताजी के निधन के बाद इनके पिताजी ने दूसरा विवाह किया। विमाता का इनके व इनकी बहन के प्रति व्यवहार ठीक नहीं रहा। इन्होंने 1973 में विवाह किया। दुर्भाग्य से 1977 में प्रसव के अवसर पर इनकी पत्नी व नवजात शिशु का भी निधन हो गया। परिवार में इनका कोई सहारा नहीं रहा। ये भरतपुर स्थित बिड़ला फैक्ट्री में काम करते थे। आश्रय के लिए ये अपनी बहन के पास रहने लगे। बहन के पुत्र की शादी और 4–5 वर्ष पहले बहन का भी निधन हो जाने के पश्चात् इनके रहने का कोई सहारा नहीं रहा। उम्र बढ़ने के साथ–साथ इनकी परेशानियाँ भी बढ़ती गईं। भरतपुर के ही किसी हितैषी ने, जो तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों और आनन्द वृद्धाश्रम की जानकारी रखते थे, इन्हें बताया। तारा संस्थान की संस्थापक श्रीमती कल्पना गोयल को फोन पर इन्होंने अपनी व्यथा बताई। कल्पना जी ने तत्काल इन्हें यहाँ आने का परामर्श दिया। यहाँ आकर अब ये बहुत प्रसन्न हैं और सुख–चैन का जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

---

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा नि:शुल्क हैं।

---

## संस्कार के बीज

*हमारे पड़ोस के एक रिश्तेदार दीपावली पर सपरिवार डलहौजी गये थे। शाम के समय वे बाजार घूमने निकले तो उन्होंने देखा कि 'यहाँ के गरीब.. बासिंदे अपनी छोटी–छोटी टोकरियों में पटाखों की दुकान सजाये बैठे हैं। उन्होंने अपने बच्चों का उत्साह और जिद देखकर सब के सब पटाखे खरीद कर बच्चों को दे दिया। दूर खड़े वहाँ के गरीब बच्चे बड़े शौक और हसरत भरी निगाहों से ये सब देख रहे थे। उनमें कोई–कोई हिम्मत करके उन पटाखों को छूकर किलकारी भी मारने लगता था।*

*उन दम्पति ने देखा कि उनके बच्चे जब खुशी–खुशी पटाखे फोड़ने लगे तो गाँव के बच्चे उन्हें ललचाई नजरों से देख रहे थे। यह देखकर उनके बच्चों ने वे सारे फटाखे उन बच्चों को बाँट दिये, और जब गाँव के बच्चे उछल–कूदकर उनके दिये पटाखे छोड़ रहे थे, तो इनके बच्चे ताली बजा–बजाकर (उन बच्चों की खुशी देखकर) उनसे ज्यादा खुश हो रहे थे।*

*हाल ही में, उनमें से एक बालक जो आज 30–34 वर्ष का एक इन्श्योरेंस एजेंट है, उसने मलाड़ में एक फ्लेट की निर्माणाधीन बिल्डिंग में बुकिंग करवायी। दीवाली पर वह निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिये साइट पर गया तो उसके मन में एक सद्विचार प्रकट हुआ और उसने पास के एक होटल वाले से बात कर उस बिल्डिंग के लिए काम कर रहे सभी मजदूरों के लिए लंच की स्पेशल व्यवस्था कराई। साथ ही उनके बच्चों को चॉकलेट और पटाखे भी अपने बच्चों के हाथों दिलवाये।*

*बचपन का बोया संस्कार का बीज आज एक फलदार, छायादार वृक्ष बन गया है।*

# मोतियाबिन्द जाँच -ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

## दानदाताओं के सौजन्य से – 30 मार्च, 2014 से 27 अप्रैल, 2014 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

### तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

| दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित | दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 31.03.2014 | विमल टॉरमल पोद्दार चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत (गुजरात) | 105 | 20 | 16.04.2014 | चेतराम सुखराम सामरिया ट्रस्ट श्री राजेन्द्र जी – अहमदाबाद | 120 | 08 |
| 06.04.2014 | श्री षिव जी पोद्दार, निवासी – चैन्नई | 130 | 10 | 18.04.2014 | श्रीमान् अजय कुमार जी चौधरी निवासी – उलयान, कडमा, जमषेदपुर | 109 | 10 |

### तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

| दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित | दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01.04.2014 | श्रीमती सुनीता सिंह पति रविमंगल सिंह, निवासी – वाषी, नवीं मुम्बई | 98 | 07 | 17.04.2014 | श्रीमती मंजुला मोरारजी, निवासी – कान्दीवली (वे.), मुम्बई | 86 | 08 |
| 03.04.2014 | श्री दीपक पुत्र श्री संतोष जादव, निवासी – मीरा रोड, मुम्बई | 101 | 15 | 19.04.2014 | मैसर्स आम्रपाली मेटल इण्डस्ट्रीज़, गोरेगाँव (ईस्ट), मुम्बई | 91 | 05 |

### अन्य स्थानों पर आयोजित शिविर

| दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित |
|---|---|---|---|
| 30.03.2014 | श्री जगदीष भाई जानी, रिंग रोड, बड़ौदा (गुज.) | 165 | 16 |
| 06.04.2014 | श्री अषोक कुमार जी, निवासी – वल्लुर, चैन्नई | 120 | 05 |
| 14.04.2014 | श्री विक्रम जी शर्मा, मैसर्स Varrn Lebricant, हनुमानगढ़ (राज.) | 150 | 06 |
| 20.04.2014 | विजन फाउण्डेषन ऑफ इण्डिया | 170 | 06 |

| दिनांक | सौजन्यकर्ता | कुल ओ.पी.डी. | चयनित |
|---|---|---|---|
| 27.04.2014 | वीर प्रभु प्रिन्टस प्राइवेट लिमिटेड सूरत (गुज.) | 105 | 08 |

बापू जी, भाईन्दर, मुम्बई

देवी बाई, उदयपुर

सुधेष, मोहन गार्डन, दिल्ली

**मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.**

**चश्मा जाँच – चश्मा वितरण – दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर – 21000 रु.**

# दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

1. दान–दाताओं का समान

2. सौजन्यकर्त्ता का सम्मान

3. जाँच के लिए प्रतीक्षारत रोगी बन्धु

4. रोगी बन्धुओं को चष्मा वितरण

5. दान–दाताओं का समान

6. चिकित्सक द्वारा नेत्रों की जाँच

7. षिविर शुभारंभ करने दान–दाता

8. दान–दाताओं का सम्मान

9. नेत्र रोगी महिला की जाँच

10. षिविर में अतिथियों का स्वागत

11. रोगी बन्धुओं का षिविर में पंजीकरण

12. षिविर का उद्घाटन करते अतिथि

13. सौजन्यकर्त्ताओं का सम्मान

14. षिविर में रोगी महिला की जाँच

15. रोगी बन्धु को दवाई विवरण

16. रोगी बन्धुओं को चष्मा वितरण

## पृष्ठ-10-11 के फोटो वाले शिविरों के विवरण व फोटोग्राफ्स

| क्र.सं. | शिविर दिनांक | सौजन्यकर्त्ता | स्थान | ओ.पी.डी. | चयनित रोगी | चश्मे | दवाई |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 29.12.2013 | हरकिशन लाल एण्ड शान्ति साहनी मेमोरियल ट्रस्ट (दिल्ली) | सरिता विहार, दिल्ली | 750 | 15 | 302 | 600 |
| 2. | 13.03.2014 | श्री रमेष जी अग्रवाल, निवासी – ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली – 92 | मोहन गार्डन, नई दिल्ली | 398 | 09 | 145 | 380 |
| 3. | 20.03.2014 | श्रीमती चन्द्रकला जैन चेरिटेबल ट्रस्ट (पंजी.) नई दिल्ली | गुड़गाँव, हरियाणा | 181 | 12 | 70 | 181 |
| 4. | 23.03.2014 | आईना फाउण्डेषन, दिल्ली, महेष इंजीनियरिंग वर्क्स, त्रिवेणी इंजीनियरिंग | गाँधीनगर, दिल्ली | 1050 | 07 | 510 | 1120 |
| 5. | 24.03.2014 | स्व. श्री लक्ष्मी चन्द जी जैन निक्की पोइंट (पी.सी. जैन), गाँधीनगर, दिल्ली | बागपत (यू.पी.) | 1000 | 45 | 628 | 1000 |
| 6. | 24.03.2014 | श्रीमती दर्षनीदेवी जैन (देवकीमाता) धर्मपत्नी स्व. लाल वीरसैन जैन, दिल्ली | चावड़ी बाजार, दिल्ली | 371 | 09 | 274 | 315 |

| क्र.सं. | शिविर दिनांक | सौजन्यकर्त्ता | स्थान | ओ.पी.डी. | चयनित रोगी | चश्मे | दवाई |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7. | 24.03.2014 | श्री रामकुमार प्रवीण कुमार ज्वेलर्स, (C/o श्री प्रवीण कुमार जैन), भोगल, नई दिल्ली | जगपुरा, नई दिल्ली | 565 | 25 | 215 | 545 |
| 8. | 30.03.2014 | नवलकिषोर जी गुप्ता, फरीदाबाद शाखा के संयुक्त तत्त्वावधान में | सोनीपत, हरियाणा | 301 | 40 | 225 | 350 |
| 9. | 30.03.2014 | श्री ताराचन्द्र जी गुप्ता, निवासी – कोषांबी (गाजियाबाद) | गाजियाबाद (यू.पी.) | 250 | 13 | 178 | 240 |
| 10. | 30.03.2014 | श्री योगराज जी – श्री दामोदर दास जी गोयल, फरीदाबाद (हरियाणा) | फरीदबाद, हरियाणा | 714 | 16 | 370 | 690 |
| 11. | 30.03.2014 | अजित सिंह जी, मुनिरका, दिल्ली – 67 | तुगलकाबाद, दिल्ली | 920 | 21 | 313 | 895 |
| 12. | 30.03.2014 | विष्नी एल. राजस्थ | मानवादार, जूनागढ़ (गुजरात) | 1000 | 28 | 304 | 600 |
| 13. | 31.03.2014 | वीपी ग्रुप, दिल्ली | विकास मार्ग, दिल्ली | 411 | 04 | 180 | 375 |
| 14. | 02.04.2014 | श्री मनसुख भाई, निवासी – बोरीवली (वे.), मुम्बई | बोरीवली (ई., मुम्बई | 317 | 52 | 110 | 150 |
| 15. | 03.04.2014 | श्री हरेन्द्र सिंह जी, सी–234, सरोजनी नगर, नई दिल्ली | रोहिणी, दिल्ली | 251 | 15 | 155 | 250 |
| 16. | 06.04.2014 | ऊँ जय भोले युवा मण्डल (रजि.) मोहन गार्डन, दिल्ली – 59 | मोहन गार्डन, नई दिल्ली | 685 | 22 | 203 | 615 |

## गौरी योजना सेवा

**( प्रति विधवा महिला सहायता ) 01 माह – 1000 रु., 06 माह – 6000 रु., 01 वर्ष – 12000 रु.**

Gulf Petrochem
Towards New Horizons

तारा संस्थान के संरक्षक श्री सत्यभूषण जैन के प्रयास एवं गल्फ पेट्रोकेम के स्वामी श्री सुधीर गोयल – श्री अषोक गोयल एवं जे.के. मंगालीवाला चेरिटेबल ट्रस्ट, असपाम संगठन सौजन्य से रेशम हाउस, ग्रीन फार्म सोसायटी, शामलका, नई दिल्ली में 7 अप्रैल, 2014 को मोतियाबिन्द जाँच एवं ऑपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 255 रोगी उपस्थित हुए, जिनमें से 14 रोगी ऑपरेशन के लिए चयनित हुए। सभी 255 रोगियों को दवाइयाँ भी वितरित की गईं एवम् 70 रोगियों को चश्मे वितरित किये गए।

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

## स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से
## "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

षिविर में रजिस्ट्रेषन कराते नेत्र रोगी

| शिविर दिनांक | स्थान | ओ.पी.डी. | चयनित रोगी | चश्मे | दवाई |
|---|---|---|---|---|---|
| 13 अप्रैल, 2014 | गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह अम्बाडी रोड, नियर यस बैंक, वसई (वेस्ट) | 198 | 18 | 109 | 49 |
| 14 अप्रैल, 2014 | श्री गुरु नानक दरबार, साई बाबा नगर, बोरीवली (वेस्ट), मुम्बई | 255 | 15 | 66 | 76 |
| 14 अप्रैल, 2014 | श्री गुरुनानक सत्संग सभा (रजि.), मलाड, 18, पोद्दार सर्कल, मलाड | 317 | 39 | 77 | 140 |
| 27 अप्रैल, 2014 | श्री गुरुनानक दरबार जैन मंदिर के पास, से.–6, मीरा रोड (ई.), थाणे | 312 | 45 | 57 | 60 |

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

## जो तेरे कान में कह गया है....

*एक गरीब बुढ़िया अपनी लड़की के ब्याह के बाद ससुराल से लिवा कर पैदल ही ला रही थी। साथ में छोटी सी एक सामान की गठरी थी। गर्मी के कारण चलते–चलते दोपहर हो गई। उन्हें प्यास भी लग आई थी। बुढ़िया ने देखा एक घुड़सवार चला आ रहा है। माँ की ममता ने जोर मारा, घुड़सवार पास आया तो वह बोली, ये मेरी बेटी है। ससुराल से पहली बार अपने गाँव ले जा रही हूँ, धूप ज्यादा है। गाँव दूर है यह चल नहीं पा रही है। जरा इसे घोड़े पर बैठाकर गाँव तक छोड़ दो, भगवान तुम्हारा भला करे।*

*घुड़सवार फौजी जवान था, ऐंठ कर बोला, माफ कर और इतना कह कर वह आगे बढ़ गया।*

*थोड़ी दूर जाने पर उस फौजी को विचार आया कि 'तू भी कैसा पागल है, लड़की सुन्दर है, जवान है, गहने भी पहन रखे हैं, तू लेकर भाग जाता तो बुढ़िया क्या कर लेती?उसने सोचा और वह वापस लौट पड़ा।*

*इधर बुढ़िया सोचने लगी कि मैं भी कितनी बावली हूँ, लड़की सयानी है, सुन्दर है, और गहने भी पहने हैं, अगर वह घुड़सवार मेरी बेटी को ले भागता, तो मैं क्या कर लेती?मुँह दिखाने के लायक भी न रह जाती, चलो अच्छा ही हुआ भगवान ने बचा लिया।*

*इतने में वह घुड़सवार वापस आया और मीठे स्वर में बोला, माँ जी मैंने आगे जाकर सोचा कि 'इतनी धूप में बेचारी लड़की तो मर ही जाएगी। थोड़ी सी दूर की तो बात है और मुझे कौन सा खुद उसे उठाकर ले जाना है, आदमी ही आदमी के काम नहीं आएगा तो कौन आएगा?ला बिठा दे लड़की को घोड़े पर......*

*बुढ़िया मुस्कराती सी बोली बेटा, तूने बात बड़ी अच्छी कही है, पर सुन, जो तेरे कान में कह गया है न, वही मेरे कान में भी कह गया है, माफ कर... ।*

*इस दुनिया में सम्मान से जीने का सबसे महान् तरीका है कि हम वो बनें, जो हम होने का दिखावा करते हैं। – सुकरात*

# तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री राजेश जी एवं श्रीमती जया जी खनवानी (जयपुर) ने
तारा संस्थान का अवलोकन किया।

श्रीमती प्रीति आहूजा एवं श्री एवं श्रीमती गौरव अरोड़ा (दिल्ली)
तारा संस्थान में।

श्री एवं श्रीमती हुकम चन्द्र (कोलकाता) श्रीमती कमला देवी अग्रवाल
सहसस्थापिका नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर, तारा संस्थान में

फरीदाबाद निवासी - श्रीमती पुष्पा रानी एवं उनके पति का
तारा संस्थान में स्वागत - सम्मान।


**नेत्र शिविर सौजन्य**

**मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.**

**चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.**

श्री नवरतनमल मेहता एवं श्रीमती पुषपा मेहता ने
तारा संस्थान का भ्रमण किया।

भटिण्डा निवासी श्रीमती शिमला देवी अपने पुत्र श्री गंगनदीप एवं
पुत्रवधु के साथ तारा संस्थान में।

## ''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री श्रीनिवास अग्रवाल, खरसिया (छ.ग.)

श्रीमती तारा दमानी, अहमदाबाद

श्री राजेन्द्र सामरिया, अहमदाबाद

श्री राजेश एस. शाह, अहमदाबाद

श्री केतन ए. शाह, अहमदाबाद

श्री हनुमान प्रसाद जी अग्रवाल, कोरबा

श्री चेतनदास खनवानी, जयपुर

श्री बी.आर. चौधरी, इंदौर

श्री विक्रम सिंह शेखावत, जयपुर

नीलम जैन, चण्डीगढ़

श्री कैलाश प्रसाद खण्डेलवाल, जयपुर

**आनन्द वृद्धाश्रम सेवा**

**( प्रतिबुजुर्ग ) 01 माह – 5000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.**

# तारा सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

18, गोविन्द बनर्जी लेन, पी.एस. गोलबाड़ी, सलकिया, जिला - हावड़ा ( पश्चिम बंगाल ) 711106
स्थानीय सम्पर्क सूत्र : एस.एन. अग्रवाल 09339101002

'तारा संस्थान' सेवा प्रकल्पों में एक और सेवा-कार्य जुड़ रहा है। असहाय, निर्धन विधवा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से हावड़ा ( प.बं. ) में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया गया है।

1. इस केन्द्र में विधवा महिलाओं को 3 माह की अवधि का निःशुल्क सिलाई कार्य - प्रशिक्षण दिया जाएगा।
2. प्रशिक्षण अवधि में प्रत्येक महिला को 500 रु. प्रतिमाह वृत्ति ( Stipend ) दिया जाएगा।
3. प्रशिक्षण पश्चात् प्रत्येक महिला को एक सिलाई मशीन निःशुल्क भेंट की जाएगी।
4. प्रशिक्षण में प्रयुक्त होने वाले सामान व प्रशिक्षक की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

असहाय महिलाओं के आर्थिक - स्वावलम्बन व सामाजिक सशक्तीकरण के लिए दान-दाताओं से प्रार्थित सहयोग-सौजन्य राशि -

प्रशिक्षण सहयोग - सौजन्य, प्रति महिला कुल राशि - रु. 9000/-
दान-सहयोग सौजन्य राशि 'तारा संस्थन' उदयपुर को प्रेषित की जा सकती है।

*एक गाँव के बाहर शिवाजी महाराज एक किला बनवा रहे थे। सैकड़ों मजदूर काम में लगे थे। इतने में गुरू समर्थ स्वामी रामदासजी उधर से गुजरे। शिवाजी ने उन्हें आकर प्रणाम किया। स्वामीजी ने पूछा– शिवा, क्या हो रहा है? शिवाजी ने जरा गर्व से कहा, गुरुदेव किला बनवा रहा हूँ। सैंकड़ों मजदूरों के के परिवारों को रोजी–रोटी मिल जायेगी। स्वामी जी बोले, 'बड़ी अच्छी बात है, तू इतने परिवारों को रोजी–रोटी दे रहा है।*

*फिर उन्होंने शिवाजी महाराज से कहा 'जरा मजदूर से वह दूर रखा पत्थर तो मँगवाना। शिवाजी ने तुरंत तथर मँगवा दिया। समर्थ ने कहा ' अब मजदूर से कहो कि इस पतर को तोड़े। शिवाजी ने मजदूर को हथौड़े से तोड़ने का आदेश दिया। दो हथौड़े मारते ही पत्थर बीच से टूट गया और उसके अंदर के पानी में से एक मेंढकी उछलकर बाहर भागी। शिवाजी ने आश्चर्य से गुरुजी की ओर देखा। समर्थने शिवाजी महाराज को सम्बोधित करते हुए कहा 'शिवा इस मेंढकी को रोटी–पानी कौन दे रहा था। शिवाजी महाराज इशारा समझ गये। गुरु जी को प्रणाम किया और इस बात को समझा '' अहंकार अति दुखद डमरुआ''।*

## उन्हीं के शब्दों में

ऑपरेषन के समय

मैं अमनजीत कौर (उम्र 58) पंजाब अटारी अमृतसर की रहने वाली हूँ। मैं अपनी आँखों का इलाज कराने आई हूँ, क्योंकि मुझसे आँखों का ऑपरेशन करवाने के लिए पंजाब में (30 हजार) रुपये माँगे थे। मेरे दोनों बेटे बेरोजगार हैं और न ही मेरे पति है। इसलिए मैं तारा संस्थान मे इलाज करवाना चाहती हूँ क्योंकि यहाँ आँखों का मुफ्त इलाज होता है। यहाँ मेरी आँख का ऑपरेशन हो गया है। अब मुझे अच्छा दिखाई देता है। यहाँ मेरा एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ। ऑपरेशन, दवाइयाँ लेंस, भोजन आदि सभी व्यवस्थाएं मुफ्त मिली है। मैं यहाँ की सेवा से बहुत–खुश हूँ।

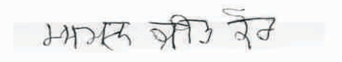

ऑपरेषन के बाद

### तृप्ति योजना सेवा

( प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता ) 01 माह - 1500 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

**Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels**

'पारस' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रातः 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

## HEARTIEST CONGRATULATIONS

Our greetings and good wishes for a healthy, happy and prosperous life to our donor
**Shri Radhe Shyam Ji and Smt. Gomati Ji Agrawal (Raigarh, CG)**
on the occasion of their
50th marriage anniversary on 26-04-2014

## FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

**Shri Bajrang Ji Bansal**
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

## 'Tara' Contact Details - Office

**Mumbai Office**
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688
Shri Bharat Menaria Cell : 08879199188

**Delhi Office**
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

**Surat Office**
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

## 'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

## Area Specific Tara Sadhak

**Shri Kamal Didawania**
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR),
09001864783

**Shri Bhanwar Devanda**
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806,
09649999540

**Shri Rameshwar Jat**
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 08882662492,
09602554991

**Shri Sanjay Choubisa**
**Shri Gopal Gadri**
Area Delhi
Cell : 09602506303, 09887839481

**Donors Kindly NOTE**

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

# NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Birendra Kumar & Mrs. Beenu Jain
Calcutta

Mr. & Mrs. Rasundar Kumar
Bulandshahar (U.P.)

Mr. Hukumchand & Mrs. Laxmi Devi Jain
Calcutta

Mr. Karmveer Singh & Mrs. Usha Singh
Agra (U.P.)

Mr. Amit Kumar & Mrs. Sapna Gupta
Agra (U.P.)

Mr. N.R. & Mrs. Kalpana Jain
Jaipur

Mr. Nirmal Kumar & Mrs. Manju Jain
Calcutta

Mr. S.P. & Mrs. Poonima Dubey
Delhi

Mr. Shiv Mohan & Mrs. Surbhi
Patiala (PB)

Mr. Bharat Bhai & Mrs. Bhawna Ben
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Sanjay Kumar & Mrs. Ritu Agrawal
Gurgaon (Hr.)

Lt. Mr. Hariram & Lt. Mrs. Savitri Jani,
Baroda (Gujrat)

Lt. Mr. Gopal Das Agrawal & Mrs. Radha Agrawal
Mumbai

Mr. Heeru & Mr. Neeru Lalwani
Mumbai

Mr. Gokul Chand & Mrs. Rukmani Devi
Jaipur (Raj.)

Lt. Mr. Gorkhi Mal Jain
Delhi

Mr. Jatin Singhal
Delhi

Mr. Prakash Chandra Garg
Tonk (Raj.)

Yogi Chaudhary
Agra (U.P.)

Parth Chaudhary
Agra (U.P.)

Vihan Gautam
Yamunanagar

Mr. R.K. Rastogi
Uttarkhand

Arjun Dubey
Chandigarh

Mr. Kanti Kumar Agrawal
(Chhatisgarh)

Mr. Dev Bhai
Rajkot (Guj.)

Mrs. Bhagwati Sharma
Surat (Guj.)

Er. C.P. Mahajan
Kangra (H.P.)

Lt. Mr. Ashok Samriya

Mr. Rashmi Ranjan Dash
Orissa

Manas Bhardwaj
Yamunanagar

Mr. Shiv Poddar
Chennai

## जूतों पर धूप

*कुछ वर्ष पहले की बात है। एक गाँव में दो भाई रहा करते थे। एक स्मार्ट स्वभाव का तथा दूसरा भोलाभाला। छोटे के मन में बड़े के लिए आदर था, लेकिन बड़े के लिए आदत था, लेकिन बड़े के मन में प्रभुता का अभिमान था। पिता की मृत्यु के पश्चात् रहनेवाली हवेली के बंटवारे का प्रश्न उठा। ठीक–ठीक समझौता न हो पाने के कारण अथवा कपटी मित्रों के बहकावे में आकर बड़े भाई पर दीवानी अदालत में दावा कर दिया।*

*दोनों भाई चूँकि एक ही घर में रहते थे इस कारण प्रायः एक ही समय हवेली से निकलते थे। आपस में बोलचाल तो बंद नहीं थी, किंतु मुकदमे के कारण घनिष्ठता भी नहीं थी। छोटे कस्बों की आदालतों में अर्जीनवीसों के तख्तपोशोंपर या उनके पास ही मुवक्किल लोग बैठकर अदालत में अपनी बारी आने की प्रतीक्षा करते थे। अदालत का समय 12 बजे से 4 बजे का था।*

*लगभग 12 बजे बड़ा भाई अपने वकील से कुछ सलाह करने गया, उसने जल्दी में जूते नहीं पहने और तख्त के पास छोड़ गया। एक घंटे बाद धूप दिशा बदलते हुए भाई के जूतों पर पड़ने लगी। छोटे भाई की नजर जूतों पर पड़ी तो उसने धूप से बचाने हेतु उन्हें छाया में कर दिया।*

*लगभग 2 बजे बड़ा भाई कचहरी से बाहर आया। छोटे भाई का वकील किसी दूसरी अदालत में व्यस्त था, इसलिए वह अदालत के बाहर बैठा इंतजार करता रहा। बड़ा भाई जब पुरानी जगह पर जूते तलाशने लगा तो छोटे भाई ने कहा 'मैंने आपके जूते एक कोने में कर दिए थे।' कारण पूछने पर उसने बताया कि 'धूप आ रही थी। धूप से जूते गर्म हो जाते, भाई साहब, आप पहनते तो पाँव व्यर्थ में जल जाते, कष्ट होता। इस कारण छाया में रख दिये।' उसने सहज भाव से उत्तर दिया।*

*बड़े भाई पर भगवान की कृपा हुई। छोटे भाई की इस बात का उस पर गहरा असर पड़ा और उसने अपने छोटे भाई से कहा कि 'चलो घर चलें। छोटे भाई ने कहा अभी तो अदालत की आवाज भी नहीं पड़ी है, अतः घर कैसे जा सकते हैं?*

*बड़ा भाई कहने लगा 'मुकदमा खारिज हो जाने दो। जब तुम्हें मेरा इतना ख्याल है कि गरम जूते पहनने से मुझे कष्ट होगा, तो धिक्कार है मुझे कि मैं पिताजी की छोड़ी हुई सम्पत्ति में कुछ अधिक लेने की चेष्टा करूँ। तुम्हें जो चाहे हिस्सा रख लेना। मुकदमें को खारिज या दाखिल दफ़्तर हो जाने दो। मुझे अफसोस है कि ऐसे भाई के होते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया।*

*दोनों भाई खुशी–खुशी घर लौट आए और फिर इकट्ठे ही दोनों ने भोजन किया और दोनों परिवार इकट्ठे ही रहने लगे।*


**INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS**

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and
35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

**Tara Sansthan Bank Account**

| | |
|---|---|
| **ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965** | **IFS Code : icic0000045** |
| **SBI A/c No. 31840870750** | **IFS Code : sbin0011406** |
| **IDBI Bank A/c No. 1166104000009645** | **IFS Code : IBKL0001166** |
| **Axis Bank A/c No. 912010025408491** | **IFS Code : utib0000097** |
| **HDFC A/c No. 12731450000426** | **IFS Code : hdfc0001273** |
| **Canara Bank A/c No. 0169101056462** | **IFS Code : cnrb0000169** |
| **Central Bank of India A/c No. 3309973967** | **IFS Code : cbin0283505** |

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
**Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

**TARA NETRALAYA**
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

**DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya**
+91 9560626661, 011-25357026

**TARA NETRALAYA**
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA

**MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya**
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

तारांशु ( हिन्दी - अंग्रेजी ) मासिक समाचार पत्र, मई, 2014

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर ( राज. ) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर ( उत्तर प्रदेश ) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

## तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

**नेत्र चिकित्सा सेवा ( मोतियाबिन्द ऑपरेशन )**

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

## नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

| तृप्ति योजना सेवा | गौरी योजना सेवा | आनन्द वृद्धाश्रम सेवा |
|---|---|---|
| ( प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता ) | ( प्रति विधवा महिला सहायता ) | ( प्रतिबुजुर्ग ) |
| 01 माह - 1500 रु. | 01 माह - 1000 रु. | 01 माह - 5000 रु. |
| 06 माह - 9000 रु. | 06 माह - 6000 रु. | 06 माह - 30000 रु. |
| 01 वर्ष - 18000 रु. | 01 वर्ष - 12000 रु. | 01 वर्ष - 60000 रु. |

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन, आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन ( संचितनिधि में )

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

| | | | |
|---|---|---|---|
| ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965 | IFS Code : icic0000045 | HDFC A/c No. 12731450000426 | IFS Code : hdfc0001273 |
| SBI A/c No. 31840870750 | IFS Code : sbin0011406 | Canara Bank A/c No. 0169101056462 | IFS Code : cnrb0000169 |
| IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 | IFS Code : IBKL0001166 | Central Bank of India A/c No. 3309973967 | IFS Code : cbin0283505 |
| Axis Bank A/c No. 912010025408491 | IFS Code : utib0000097 | Pan Card No. Tara - AABTT8858J | |

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस

'पारस' चैनल पर प्रसारण रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

MA T.V. (UK)

'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara

बुजुर्गों के लिए...

**तारा संस्थान**

डीडवाणिया ( रतनलाल ) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर ( राज. ) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org